द्वितीयः पाठः

4M18UP

पत्र-नौका

पत्रनिर्मिता तव नौका

पत्रनिर्मिता मम नौका।

तव नौका सलिले गलिता

अग्रे मम नौका चलिता।।

नहि नहि दुःखं करणीयम्

आनेयं नूतनपत्रम्।

सा गलिता यदि का गलिता

नवा नवा नौका रचिता।।

वायुः यदा वहेद् मन्दम्

तदा तडागो गमनीयः।

पुनः नवीने ते नौके

गमिष्यतः पारं चलिते।।

शब्दार्थ

पत्रम्=कागज। **निर्मिता**=बनायी हुई। **नौका**=नाव। **सलिले**=पानी में। **गलिता**=गल गयी। **अग्रे**=आगे। **चलिता**=चली। **करणीयम्**=करना चाहिए। **आनेयम्**=लाना चाहिए। **नूतनपत्रम्**=नया कागज। **नवा**=नयी (नवा नवा=नयी-नयी)। **रचिता**=बनायी गयी। **यदा**=जब। **तदा**=तब। **वहेद्**=चले। **तडागः**=तालाब। **गमनीयः**=जाना चाहिए। **पुनः**=फिर। **ते**=वे दोनों। (स्त्रीलिङ्ग)

अभ्यास

1. एक पद में उत्तर दें-

(क) नौका केन निर्मिता?

(ख) किम् आनेयम्?

(ग) नवा नवा का रचिता?

(घ) किं न करणीयम्?

2. अधोलिखित श्लोकांशों का सही क्रम में मिलान करें -

‘क’ ‘ख’

तव नौका सलिले गलिता पत्र निर्मिता मम नौका।

पत्र निर्मिता तव नौका नवा नवा नौका रचिता।

सा गलिता यदि किं गलिता अग्रे मम नौका चलिता।

3. मन्जूषा से क्रिया पदों को लेकर श्लोकांश की पूर्ति करें-

चलिता निर्मिता रचिता गलिता।

(क) पत्र ..... तव नौका।

(ख) मम नौका अग्रे .....।

(ग) तव नौका सलिले .....।

(घ) नवा नवा नौका .....।

4. संस्कृत में अनुवाद करें-

(क) मेरी नाव कागज की बनी है।

(ख) तुम्हारी नाव पानी में गल गयी।

(ग) मेरी नाव आगे चली गयी।

(घ) दुःख नहीं करना चाहिए।

(ङ) नया कागज लाएँ।

(च) नयी-नयी नाव बनाएँ।

शिक्षण-संकेत -

(क) छात्रों को कक्षा में कविता का अभ्यास तथा वाचन कराएँ।

(ख) शिक्षक नीचे दी गयी भाव साम्य की कविता का गायन कराएँ तथा छात्रों से अभ्यास पुस्तिका में लिखवाएँ।

कः कुत्र किं करोति

विपिने चरन्ति गावः

सलिले चलन्ति नावः।

गगने लसन्ति ताराः

विकिरन्ति दीप्ती-धाराः।।

कमले लसन्ति भृंङ्.गा

तरु-कोटरे विहंङ्.गा।

निपतन्ति दीप-मध्ये

परितो द्रुतं पतंङ्.गा।।

-वासुदेव द्विवेदी 'शास्त्री'

विद्या सर्वस्य भूषणम् ।